ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

पर्यावरण विज्ञान विभाग

डा0 यशवन्त सिंह परमार औद्यानिकी एवम् वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी, सोलन

भारत मौसम विज्ञान विभाग, भू-विज्ञान मंत्रालय

(भारत सरकार)

मौसम और कृषि दृष्टिकोण

Tel: +91-1792-252706 ; e-mails: Jangra_ms@live.com, hodevs@yspuniversity.ac.in

वर्ष: 25 अंक: 63 अवधि: 03-07 अगस्त दिनांक: 02-08-2019

शिमला, सोलन, सिरमौर व बिलासपुर जिलों के मौसम का पूर्वानुमान

पिछले सप्ताह का मौसम: पिछले सप्ताह सभी जिलों में वर्षा रिकार्ड की गई। दिन व रात का तापमान सामान्य से कम रहे।

आने वाले पांच दिनों के मौसम का पूर्वानुमान

अगले पांच दिनो में मौसम परिवर्तनशील रहने व सभी जगहों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।दिन व रात के तापमान में 1-2 डि सै की कमी होने की संभावना है। हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से 3 से 7कि.मी. प्रति घण्टा की गति से चलने तथा औसतन सापेक्षित आर्द्रता 40-95 प्रतिशत तक रहने की संम्भावना है।

सप्ताहिक कृषि कार्य

सब्जी फसलों सम्बंधित कार्य :

खेतों में पानी के निकास का उचित प्रबन्ध करें। गले-सड़े फलों तथा पत्तों को निकालकर नष्ट कर दें। छिड़काव वर्षा के बाद ही करें अगर अति आवश्यक है तो सप्रे स्टिककर का प्रयोग करें।

टमाटर में आजकल फल छेदक तथा माईट का आक्रमण हो सकता है।

माईट की रोकथाम के लिये फेन्जाक्वीन (मैजिस्टर 3.75 मिलीलीटर/15 लीटर पानी) का छिड़काव करें। फल छेदक की रोकथाम के लिये इन्डोक्साकार्ब 14.5 ई सी (11 मिलीलीटर) या लैम्डा साइलोथ्रिन 5 ई सी (क्राटे 18.75 मिलीलीटर) का घोल 15 लीटर पानी में बनाकर छिड़काव करें।

बागवानी सम्बंधित कार्य :

नीम्बू प्रजातीय फलों तथा अनार में कैंकर रोग की रोकथाम हेतु कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 600 ग्राम तथा स्ट्रेप्टोसाइक्लीन 40 ग्राम का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

सेब में स्कैब, आल्टरनेरिया धब्बा, कोर रॉट, आकस्मिक पतझड़ तथा धुएंदार धब्बों की रोकथाम हेतु जिरम 600 मिलीलीटर/200 लीटर पानी या मैन्कोजेब फलोएबल 700 मिलीलीटर/200 लीटर पानी का छिड़काव करें।

फल सब्जी परिरक्षण सम्बंधित कार्य :

सेब तथा अमरूद से विभिन्न पदार्थ बनाए जा सकते हैं। नाशपाती से जैम, चटनी तथा मुरब्बा बनाया जा सकता है।सेब के गुदे को परिरक्षित किया जा सकता है।

पशु धन सम्बंधित कार्य:

पशुशाला के फर्श में गंदगी रहती है तो जानवरों में थनैला रोग उत्पन्न हो सकता है। वर्षा ऋतु की शुरूआत में चारे के लिये उपयोग होने वाली फसलों जैसे कि मक्की, ज्वार तथा लोबिया की बीजाई हेतु उत्तम समय है। व्यस्क पशुओं के खाने में सूखे चारे को सम्मिलित करें अन्यथा पशुओं में अफारे की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

डॉ मोहन सिंह जॉगडा
नोडल ऑफिसर

डॉ सतीश भारद्वाज
विभागाध्यक्ष